

## मनमाफिक मानसून

मंगलवार को मानसून ने केरल में दस्तक दे दी। मानसून नियत समय से तीन दिन पहले आ गया है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी सटीक साहित दुई तो इस बार भी अच्छी बारिश होगी। धन की खेतों के लिए पानी की मारामारी के बीच पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी है कि उत्तर पश्चिम भारत में जमकर बारिश होगी। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली में मानसूनी वर्षा के मानक अनुसार शत-प्रतिशत बारिश होने की उम्मीद है। महाराष्ट्र को छोड़ दें तो यही जल्द देश का अब भंडार भी भरते हैं और नियंत्रण से लेकर स्टाक मार्केट्स और आर्थिक सम्पद्धि ग्राफ बढ़ाते भी हैं। मध्य भारत पर भी मानसूनी बादलों की भरपूर कृपा होगी जिन्हुंने उत्तर-पश्चिम के मुकाबले मात्र एक फैसली कम। मौसम विभाग ने मध्य भारत में 99 प्रतिशत और दक्षिण भारत में 95 प्रतिशत बारिश की उम्मीद जतायी है। वहीं पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में लगभग 93 प्रतिशत बारिश की उम्मीद है।

सुखद है कि देशभर में जुलाई में 100 प्रतिशत और अगस्त में 94 प्रतिशत बारिश की उम्मीद है। सरकारी अनुमान से भी ज्यादा बेहतर मानसून की उम्मीद प्राइवेट एजेंसियों ने भी लगा ली है और इसका असर शेरावर बाजार पर दिखेने भी लगा है। निजी एजेंसी स्काईमेट ने जून से जुलाई के मध्य 111 प्रतिशत बारिश की उम्मीद जताई है जो कि सामान्य से अधिक है। अगस्त में 94 से 97 प्रतिशत बारिश की संभावना बताई जा रही है। वैसे संपूर्ण भारत में पूरे बारिश के सीजन में लगभग 97 प्रतिशत बारिश की उम्मीद है। निस्संदेह अच्छी बरसात का मतलब है कि अच्छी फसल, यानी हमारे खुशहाल किसान और किसानों की सफनता पर ही देश का भविष्य है। यदि इस मौसम में उम्मीद के अनुसार ठीक-ठाक बारिश हो गई तो केंद्र सरकार को इसका लाभ मिल सकता है। आगामी चुनाव के पहले यह निकटतम मानसून है और इस मानसून की बारिश पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों से जूझते हुए मोदी सरकार को खाद्यालय पर कीमतों से अंकुश लगाते हुए एक राहत का संदेश अवश्य दे रही है। कह सकते हैं कि मोदी सरकार के लिए तो मेघदूत सुखद संदेश लाए हैं। उम्मीद है सरकार भी किसानों की उम्मीदों पर खरी उतरगी।

## संपादकीय/खेल/व्यापार/हेत्य/खाना खजाना/राष्ट्रीय

## कोर्ट का अहम फैसला, गीता, कुरान और बाइबल से नहीं हटेगा जीएसटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। महाराष्ट्र में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कोर्ट ने फैसला दिया है कि अब धार्मिक ग्रंथ, धार्मिक मैगजीन और डीवीडी के साथ-साथ धर्मशाला और लंगर जीएसटी के दायरे में होंगे। कोर्ट की दलील है कि इन वस्तुओं की बिक्री एक कारोबार है और इन्हें खेरात मानते हुए टैक्स से मुक्त नहीं किया जा सकता है। महाराष्ट्र की कोर्ट के पास टैक्स संबंधी यह मामला श्रीमद राजचंद्र आधारित ग्रंथ, मैगजीन, म्यूजिक सीडी समेत विभिन्न धर्मशाला और लंगर लगाने के काम को करता है। लिहाजा उसे जीएसटी के दायरे से बाहर नहीं किया जा सकता है। आपको बता दें कि जीएसटी एक में धार्मिक प्रसार के अपने प्रमुख दायित्व को निभाने में वह धार्मिक ग्रंथ, मैगजीन, म्यूजिक सीडी समेत किया जाए है लेकिन धार्मिक किताब को किस तरह से बगीकृत किया जाए इसकी लिहाजा, ऐसी स्थिति में साफ है कि महाराष्ट्र के इस फैसले के बाद यदि कोई धार्मिक संस्था अथवा ट्रस्ट धार्मिक ग्रंथों की बिक्री करती है तो उसे जीएसटी अदा करना होगा।



उसके काम को कारोबार की संज्ञा नहीं दी जानी चाहिए। इस पर कोर्ट ने अपना महर्मल्पूर्ण फैसला दिया।

गैरतलब है कि सीजीएसटी एक्ट के सेक्षण 2 (17) के तहत यदि धर्म से जुड़े केन्द्र की दलील पर गैर करने के बाद

ट्रस्ट ऐसे किसी काम का सहारा लेते हैं जहां किसी वस्तु अथवा सेवा के लिए पैसा लिया जाता है तो उसे कारोबार की श्रेणी में रखा जाएगा और उसपर 18 फीसदी की दर से जीएसटी वसूला जाएगा। अपनी दलील के साथ संस्था ने दावा किया कि धार्मिक प्रसार के अपने प्रमुख दायित्व को निभाने में वह धार्मिक ग्रंथ, मैगजीन, म्यूजिक सीडी समेत धर्मशाला और लंगर लगाने के काम को करता है, लिहाजा उसे जीएसटी के दायरे से बाहर रखा जाए।

श्रीमद राजचंद्र आधारित सत्संग साधना ने दलील दी

## आरबीआई ने एक दशक में पहली बार गोल्ड खरीदा

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक स्टॉक होल्डिंग में 8.46 टन की बड़तरी की है। उसकी हालिया पहली बार गोल्ड खरीदा है। उसका एन्ड्रेल रिपोर्ट के मुताबिक इससे आरबीआई का गोल्ड रिजर्व बढ़कर 566.23 टन पर पहुंच गया है।



आरबीआई ने अपने रिजर्व को स्ट्रॉन्न बनाने के लिए इससे पहले नवंबर 2009 में निलम्बने वाला रिट्ने और उसकी आईएमएफ से 200 टन सोना खरीदा था। पिछले 9 साल के दौरान आरबीआई के रिजर्व का गोल्ड स्टॉक रही है।

आरबीआई ने 30 जून को खत्म हुए 2017-18 की फाइनेंशल इयर 1.79 करोड़ ड्रॉय और स्थिर पहली तिमाही के दौरान अपने गोल्ड

## एयर इंडिया की हालत सुधारने की कवायद, 2100 करोड़ का उदार देशी सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। एयर इंडिया के दाम में मंगलवार का एक बार पिर बड़तरी हुई। दोनों पेट्रोलियम पदार्थों के दाम अबतक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। ये लगातार दसवां दिन हैं जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। इसके कारण महांगाई पर भी प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है। महांगाई से जूझ रहे आम आदमी के लिए तेल की कीमतें जेब पर और भी बोझ बढ़ाएगा। मंगलवार को राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल के दाम 82.41, डीजल-75.39, कोलकाता में पेट्रोल-82.22, डीजल-74.19।

पिछले दस दिनों में जिस तरह तेल के दामों में आग लगी है, साफ है कि उसका असर आम आदमी की जेब पर

पड़ेगा।

## भारत के खिलाफ सीरीज जीतना एशेज जीत के बराबर: बेलिस



हराने के समान है। बेशक भारत की टीम काफी अच्छी और नंबर एक टीम है, उन्हें हराना काफी अच्छा अहसास है।

उन्होंने कहा, कुछ मुश्किल हालात थे, विशेषकर पहले दिन। हमने पहले भी कहा है कि दबाव में ये खिलाड़ी जज्बा दिखाते हैं जो नियमों के लिए अपना सीरीज क्रम संकेत हैं।

साथ प्रयोग कर सकते हैं।

चौथे टेस्ट में इंग्लैंड की 60 रन की जीत के बाद बेलिस ने कहा, यह आसानी से खिलाड़ी को लेकर हुए थे।

यह आसानी से खिलाड़ी को लेकर हुए थे।